भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 431

03 फरवरी, 2026 को उत्तर देने के लिए

गुदा-स्वास्थ्य संबंधी विकारों पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक मिशन की स्थापना

431. डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि लगभग 18 करोड़ भारतीय गुदा-क्षेत्र से संबंधित विकारों जैसे बवासीर, फिशर, फिस्टुला, रेक्टल प्रोलैप्स और अन्य संबंधित विकारों से पीड़ित हैं;

(ख) क्या उक्त विकारों के कारण जीवन की गुणवत्ता, उत्पादकता और सार्वजनिक स्वास्थ्य, गंभीर रूप से दुष्प्रभावित हो जाता है;

(ग) क्या वर्तमान में, भारत में इस प्रकार के व्यापक रूप से मौजूद विकारों के लिए भारत-विशिष्ट वैज्ञानिक आंकड़े, राष्ट्रीय रजिस्ट्री, बायोबैंक और समर्पित अनुसंधान अवसंरचना का अभाव है, जबकि विकसित देशों में इस क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान किया जा रहा है; और

(घ) क्या सरकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानव जीवन की सुरक्षा के हित में अनुसंधान, रोकथाम, शीघ्र निदान और वहनीय उपचार के लिए राष्ट्रीय गुदा-स्वास्थ्य एवं एनोरेक्टल अनुसंधान मिशन स्थापित करने की योजना है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): प्रकाशित साहित्य के आधार पर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि होमोरोइडस (बवासीर), गुदा फिशर, फिस्टुला इन-एनो और रेक्टल प्रोलैप्स चिकित्सकीय प्रणाली में सामान्य रूप से होने वाले विकार हैं। भारत में गुदा-क्षेत्र के विकारों जैसे बवासीर, फिशर, फिस्टुला, रेक्टल प्रोलैप्स और संबंधित विकारों के लिए व्यापक उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं। आईसीएमआर ने वयस्कों में ब्लीडिंग पर रेक्टम (bleeding per rectum) सहित तीव्र गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव के निदान और उपचार के लिए मानक उपचार कार्यप्रवाह (एसटीडब्ल्यू) भी विकसित किया है, जिसे सभी स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों और चिकित्सकों को उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा, आईसीएमआर के विभिन्न अनुसंधान अनुदानों सहित स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा अनुसंधान सहायता में विभिन्न प्रकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य विकारों को कवर किया गया है जिसमें आमतौर पर होने वाले विकारों के साथ-साथ कोलोरेक्टल कैंसर सहित विभिन्न कैंसर शामिल हैं। बवासीर, फिशर और फिस्टुला जैसे गुदा विकारों के लिए कोई रोग रजिस्ट्री अनुरक्षित नहीं की जाती है। तथापि, कैंसर, स्ट्रोक, दुर्लभ और वंशानुगत रोगों जैसी उच्च मृत्यु दर विकारों के लिए रोग रजिस्ट्री अनुरक्षित की गई हैं।

*****